अंक योजना

अभ्यास प्रश्न पत्र 4 (2020-2021)

इतिहास (027)

कक्षा-XII

	खंड क	
1.	c) धौलावीरा Theme 1 page 4	1
2.	प्राकृत Theme 2 page32	1
3.	धर्म-सूत्रों तथा धर्मशास्त्रों के अनुसार ब्राह्मणों का आदर्श कर्म वेद पढ़ना-पढाना, पूजा-पाठ, कर्मकांड एवं दान लेना तथा देना था। Theme 3 page 61	1
4.	c) मनुस्मृति Theme 3 page 58	1
5.	सांची स्तूप का पूर्वी प्रवेश द्वार Theme 4 page 98 **दृष्टि-बाधित बाधित छात्रों के लिए प्रश्न संख्या 5 के स्थान पर** a) i,ii,iii Theme 4 page 84	1
6.	24 Theme 4 page 88	1
7.	d) यह धर्मशास्त्र था। Theme 6 page 144	1
8.	आदि ग्रन्थ साहिब Theme 6 page 163	1
9.	d) A-II, B-III, C-IV, D-I Theme 7 page 170	1
10.	b) तुलुव	1

https://www.evidyarthi.in

	Theme 7 page 173	
11.	तुर्की Theme 9 page 227	1
12.	b) महाभारत Theme 9 page 227	1
13.	लार्ड कॉर्नवालिस Theme 10 page 259	1
14.	d) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है और कारण(R) कथन(A) का स्पष्टीकरण है। Theme 13 page 352	1
15.	a) 1829 में Theme 11 page 295	1
16.	d) उपरोक्त सभी Theme 15 page 414	1
	खंड ख	
17.	1) d) जल निकासी केवल बड़े शहरों तक सीमित थी । 2) a) कच्ची 3) b) पुरातत्व का अजूबा 4) c) लोथल Theme 1 page 7	1+1+1=3
18.	1) a) भगवान् जगन्नाथ 2) c) सुभद्रा 3) d) पुरी 4) c) कथन(A) और कारण)R) दोनों सही है पर कारण (R) कथन (A) का स्पष्टीकरण नहीं है। Theme 6 page 141-142 **<u>केवल दृष्टिबधितों के लिए : प्रश्न संख्या 18 के स्थान पर</u>** **1) d)** उपरोक्त सभी **2) c)** स्त्री सौंदर्य की पारंपरिक अवधारणा से परे **3) b)** शिव की **4) d)** कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R) कथन	1+1+1=3

https://www.evidyarthi.in

	(A) का स्पष्टीकरण है। Theme 6 page 145	
19.	1) a) धार्मिक सहिष्णुता 2) a) मुग़ल अधिकारी 3) c) उन्हें नियंत्रण में रखने के लिए 4) d) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R) कथन (A) का स्पष्टीकरण है। Theme 9 page 245	1+1+1=3
	खंड ग	
20.	1. यह लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी है । 2. इसमें चित्रों की संख्या लगभग 375 से 400 के मध्य है । 3. यह दाएं से बाएँ लिखी जाती थी सबसे लंबे अभिलेख में लगभग 26 चिन्ह है । 4. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 1 Page 15	3
21.	1. सार्वभौमिक धर्म के आदर्शों का स्थानीय आचारों के साथ सम्मिश्रण का उदाहरण मस्जिदों के स्थापत्य में मिलता है । 2. मस्जिदों के कुछ स्थापत्य संबंधी तत्व सार्वभौमिक थे, जैसे मस्जिदों में इमारत का मक्का की तरफ अनुस्थापन होना । यह मेहराब (प्रार्थना का आला) और मिनबार व्यासपीठ) से लक्षित होता है । 3. छत और निर्माण के सामान में स्थानीय तत्व विद्यमान थे । 4. केरल में तेरहवीं शताब्दी की मस्जिद के शिखर के आकार की छत, मैंमनसिंग में (बांग्लादेश) ईटों की बनी अतिया मस्जिद और श्रीनगर में झेलम नदी के किनारे बनी शाह हमदान मस्जिद स्थानीय परिपाटी के उदाहरण हैं 5.कोई अन्य मान्य बिन्दु (कोई तीन बिन्दु) Theme 6 Page 151	3
22.	1. घोषणाओं द्वारा सभी लोगों से बिना जाति और धर्म का भेद किए विद्रोह का आह्वान किया जाता था।	3

https://www.evidyarthi.in

	2. मुस्लिम राजकुमारों या नवाबों की ओर से की गई घोषणाओं में हिंदुओं की भावनाओं का विशेष ख्याल रखा जाता था । 3. इस विद्रोह को एक ऐसे युद्ध के रूप में प्रस्तुत किया गया जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों दोनों का समान लाभ और हानि होनी थी। 4. इश्तहारों में अंग्रेजों से पहले के अतीत की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता था जैसे मुगल साम्राज्य के अंतर्गत धार्मिक सहनशीलता की नीति के कारण सभी समुदायों में सह अस्तित्व की भावना की प्रशंसा की जाती थी। 5. बहादुर शाह के नाम से जारी की गई घोषणाओं में मोहम्मद और महावीर दोनों की दुहाई देते हुए जनता से इस लड़ाई में सम्मिलित होने का आह्वान किया गया । 6. कोई अन्य मान्य बिन्दु (कोई तीन बिन्दु) Theme 11 Page 301-303	
23.	1. जमींदारों की सैन्य टुकड़ियों को भंग कर दिया गया। 2. जमींदारों से न्याय और स्थानीय पुलिस की व्यवस्था करने की शक्ति छीन ली गई। 3. जमींदारों की कचहरियों को कंपनी द्वारा नियुक्त कलेक्टर की देखरेख में रखा गया। 4.कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 10 Page 260	3
	खंड घ	

https://www.evidyarthi.in

24.	1. 1919 में संस्कृत विद्वान वी सुकथांकर के नेतृत्व में महाभारत का .एस. समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने की परियोजना की शुरुआत । 2. देश के विभिन्न भागों से विभिन्न लिपियों में लिखी गई महाभारत की संस्कृत पांडुलिपियों को एकत्रित किया गया । 3. सभी पांडुलिपियों में पाए जाने वाले श्लोकों की तुलना करने का तरीका ढूंढ निकाला। 4. उन श्लोकों का चयन जो लगभग सभी पांडुलिपियों में पाए गए। 5. उन श्लोकों का प्रकाशन 13000 पृष्ठों में फैले अनेक ग्रंथों में। 6. इस परियोजनों में 45 वर्ष लगना । 7. इस प्रक्रिया में दो बातें उबर कर आई - संस्कृत के कई पाठों में अनेक अंशों में समानता - नेपाल से लेकर केरल, तमिलनाडु तक और कई क्षेत्रीय प्रभेदों का उभरना , जिसका संकलन मुख्य पाठ की पादटिप्पणियों और परिशिष्टों के रूप में किया गया । 8. 13,000 पृष्ठों में से आधे से भी अधिक इस प्रभेदों का ब्योरा देते हैं। 9. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 3 Page 54 **अथवा** 1. महाभारत बंधुता की एक कहानी हैं जो कौरवों और पांडवों के बीच भूमि और सत्ता को लेकर हुए संघर्ष का चित्रण करती है। 2. पांडव अपने गुणों के कारण विजयी हुए। 3. बंधु बांधव सिंहासन पर अपना अधिकार जमाते थे और कुछ विशेष परिस्थितियों में स्त्रियाँ जैसे प्रभावती गुप्त ने सत्ता का उपयोग किया था। 4. महाभारत की मुख्य कथावस्तु ने पितृवंशिकता के आदर्श को सुदृढ़ किया। 5. मनुस्मृति के अनुसार पुरुष - उत्तराधिकार , विरासत,खोज, खरीद, विजित करके , निवेश कार्य द्वारा धन प्राप्त करता था। 6. महिलाएँ स्त्रीधन के द्वारा धन प्राप्त करती थीं (पिता, भाई, पति द्वारा) 7. जहाँ पितृवंश को बढ़ाने के लिए पुत्र महत्वपूर्ण थे, पुत्रियों का कोई अधिकार घरेलू संसाधनों पर नहीं था। 8. अंत:विवाह, बहिर्विवाह, बहुपत्नी ,और बहुपति प्रथा का प्रचलन था। 9. विवाह के पश्चात स्त्रियों का पिता के स्थान पर पति के गोत्र का माना	8

https://www.evidyarthi.in

	जाता था तथा एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे। 10. पिता का एक महत्वपूर्ण कर्तव्य कन्यादान या विवाह में कन्या को उपहार में देना। 11. स्त्रियों का महत्वपूर्ण स्थान था ।द्रौपदी का अपमान महाभारत युद्ध का कारण बनी ।कुंती का चरित्र और सम्मानजनक स्थिति स्त्रियों की अच्छी दशा का उदाहरण है। 12. राजाओं के मध्य द्यूत क्रीड़ा का प्रचलन यह प्रदर्शित करता है कि उनमें बुराइयाँ आ गई थी। 13. कौरवों द्वारा छल कपट का प्रयोग नैतिक पतन को प्रदर्शित करता है। 14. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 3 Page 55-58	
25.	**1**. विजयनगर के शासकों ने पूर्वकालिक परंपराओं को अपनाया, उसमें नवीनता लाए और उन्हें आगे विकसित किया । अब राजकीय प्रतिकृति मूर्तियाँ मंदिर में प्रदर्शित की जाने लगी 2. मंदिर स्थापत्य के संदर्भ में कई नए तत्व प्रकाश में आते हैं जैसे गोपुरम और मंडप **3.** विरुपाक्ष मंदिर पुराना शिव मंदिर है और विजयनगर के स्थान का - चयन वहाँ विरुपाक्ष के मंदिर से प्रेरित था । **4.** मुख्य मंदिर के सामने बना मंडप कृष्णदेव राय ने अपने राज्यारोहण में बनाया था, जिसे सूक्ष्मता से उत्कीर्णित स्तम्भों से सजाया गया था ।गोपुरम अक्सर केंद्रीय देवालयों की मीनारों को बौना प्रतीत करवाते थे । **5.** विट्ठल मंदिर - प्रमुख देवता विष्णु का एक रूप है । **6.** इस मंदिर में भी कई सभागार तथा रथ के आकार का एक अनूठा मंदिर है। **7.** मंदिर परिसरों की एक चारित्रिक विशेषता रथ गलियाँ है ,जो मंदिर के गोपुरम से सीधी रेखा में जाती है । **8.** इन गलियों का फ़र्श पत्थर के टुकड़ों से बनाया गया था और दोनों ओर स्तम्भ वाले मंडप थे जिनमें व्यापारी अपनी दुकानें लगाया करते थे। **9.** कोई अन्य मान्य बिन्दु	8

https://www.evidyarthi.in

	Theme 7 Page 186-188 **अथवा** 1. अमर नायक विजयनगर के सैनिक कमांडर होते थे । 2. उन्हें राय द्वारा प्रशासन हेतु राज्य क्षेत्र दिये जाते थे । 3. वे शिल्पकारों ,किसानों तथा व्यापारियों से भू राजस्व और अन्य कर वसूल करते थे। 4. अमर नायक विजयनगर शासकों को सैनिक शक्ति प्रदान करते थे। 5. ये स्वामी भक्ति दिखाने के लिए वर्ष में एक बार उपहार सहित राजदरबार में उपस्थित होते थे। 6. कभी कभी राजा द्वारा अन्य स्थान पर उनका स्थानांतरण। 7. 1529 में विजयनगर के राजकीय ढांचे में तनाव उत्पन्न हो गया। कृष्णदेव राय के उत्तराधिकारियों को नायकों से चुनौती का सामना करना पड़ा । 8. 17वीं शताब्दी में अनेक नायकों ने अपने आज़ाद राज्य स्थापित कर लिए । 9. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 7 Page 175	
26.	1. गांधीजी की भाषा और सादगी ने उन्हें जनता से जुड़ने में मदद की। 2. पोशाक और जीवन शैली में आम लोगों के साथ सहानुभूति और पहचान बनायी। 3. गांधीजी ने तीन जन आंदोलन करे जिसमें व्यापक रूप से सभी वर्गों ने भागीदारी दी। 4. उनके आह्वान पर छात्रों ने सरकार द्वारा संचालित स्कूलों और कॉलेजों में जाना बंद कर दिया। 5. वकीलों ने अदालतों में जाने से इन्कार कर दिया। मज़दूर वर्ग ने शहरों में हड़ताल कर दी । जनजातियों ने वन कानूनों का उल्लंघन किया है। 6. हिन्दू मुस्लिम एकता पर ज़ोर दिया। हिन्दुओं और मुसलमानों ने ख़िलाफ़त और असहयोग में बढ़ चढ़कर भाग लिया। 7. उन्होंने स्वशासन की अवधारणा को भी बढ़ावा दिया और सत्याग्रह को	8

https://www.evidyarthi.in

लोकप्रिय बनाया।

8. उन्होंने अहिंसा को लोकप्रिय बनाया ।
9. उन्होंने स्वदेशी और बहिष्कार पर ज़ोर दिया। स्वदेशी और बहिष्कार ने लोगों को आकर्षित किया।
10. उन्होंने चरखे के माध्यम से विकेंद्रीकरण पर ज़ोर दिया ।
11. अस्पृश्यता के ख़िलाफ़ आवाज़
12. चरखे के प्रतीक के माध्यम से स्वदेशी उद्योगों का पुनर्गठन
13. महिलाओं की स्थिति में सुधार की कोशिश की
14. उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में कांग्रेस की नई शाखाएं स्थापित की ओर रजवाड़ों में प्रजा मंडलों की श्रृंखला की स्थापना करके कांग्रेस का पुनर्गठन किया ।
15. अत्यधिक प्रतिभाशाली भारतीयों के एक समूह ने स्वयं के गांधी जी से जोड़ा-महादेव देसाई ,वल्लभ भाई पटेल, जवाहर-लाल नेहरू, सी राजगोपालाचारी ।वे सभी विभिन्न क्षेत्रों और धार्मिक परंपराओं से थे।
16. कोई अन्य मान्य बिन्दु

(समग्रता में मूल्यांकन)

Theme 13 Page 351-352

अथवा

1. दिसंबर 1929 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन लाहौर में ।
2. जवाहरलाल नेहरु इस अधिवेशन के अध्यक्ष चुने गए जो युवा पीढ़ी के नेतृत्व के प्रतीक माने जाते थे ।
3. अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग
4. 26 जनवरी 1930 को विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर और देशभक्ति गीत गाकर स्वतंत्रता दिवस मनाना।
5. गांधीजी के अनुसार स्वतन्त्रता दिवस मनाने की उद्घोषणा सभी गाँवों और सभी शहरों तक और पूरे देश में एक ही समय संगोष्ठियों हो।
6. समारोह की शुरूआत राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर की जाए और देशभक्ति गीत गाए जाए।
7. दिन में रचनात्मक कार्य जैसे सूत की कताई ,अछूतों की सेवा , हिंदू मुस्लिम पुनर्मिलन आदि किए जाएं।

https://www.evidyarthi.in

	8. लोगों को यह प्रतिज्ञा भी लेनी चाहिए कि- भारतीय लोगों को स्वतंत्रता का अधिकार है और कोई भी सरकार इन अधिकारों से उन्हें वंचित नहीं रख सकती है और अगर कोई सरकार इसका दमन करती है तो जनता को इसे बदलने तथा समाप्त करने का भी अधिकार है। 9. कोई अन्य मान्य बिन्दु (समग्रता में मूल्यांकन) Theme 13 Page 355-356	
	खंड ड	
27.	27.1) अशोक मौर्य के लिए। 27.2) सम्राट की नीतियों और विचारों की जानकारी प्राप्त होना ; राजनैतिक,आर्थिक,धार्मिक,सांस्कृतिक इतिहास के स्रोत ; (कोई अन्य मान्य बिन्दु) 27.3) उसने हमेशा के लिए युद्ध त्याग दिया बौद्ध धर्म को अपनाया ; धम्म के अध्ययन, धम्म के स्नेह और धम्म के उपदेश में डूब गए हैं ; (कोई अन्य मान्य बिन्दु) Theme 2 Page 48	1+2+2=5
28.	28.1) संत अथवा जोगी शिव की पूजा करते थे । 28.2) औरंगजेब ने जोगी के प्रति अपनी श्रद्धा पोशाक के लिए वस्त्र और 25 रुपए की रकम भेंट करके व्यक्त की । 28.3) i अल्लाह एकमात्र ईश्वर है पैगंबर मोहम्मद उसके दूत है । ii दिन में पाँच बार नमाज पढ़नी चाहिए । iii खैरात(जकात)बांटनी चाहिए । iv रमजान के महीने में रोजा रखना चाहिए । v हज के लिए मक्का जाना चाहिए ।(कोई दो) Theme 6 Page 150	1+2+2=5

https://www.evidyarthi.in

29.	29.1 लोकतंत्र में जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा शासन होता है। 29.2 व्यक्ति को आत्मानुशासन की कला का प्रशिक्षण ; अपने लिए कम तथा औरों के लिए ज्यादा फिक्र करना; राज्य के प्रति संपूर्ण निष्ठावान होना । 29.3 लोकतंत्र की सफलता एवं देश के उत्तरोत्तर विकास के लिए Theme 15 Page 419	1+2+2=5
	खंड च	
30.	30.1 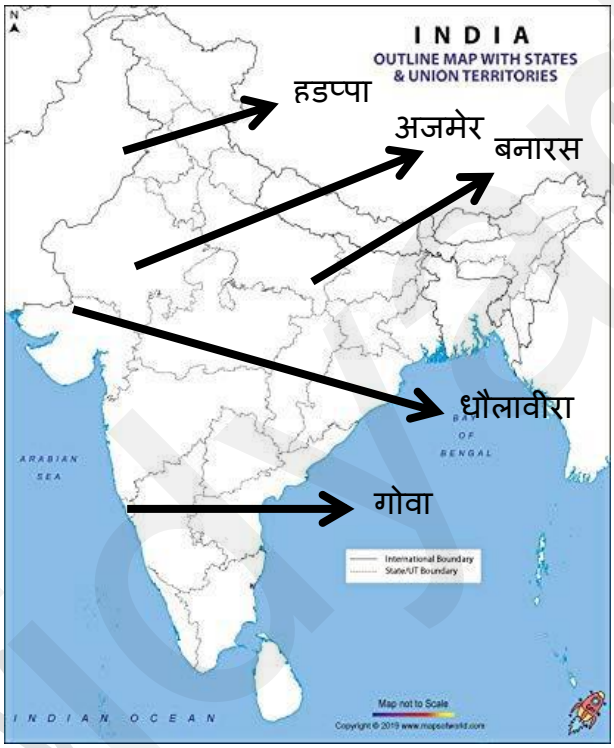	1+1+1=3

	30.2) **A)** अमृतसर **B)** चौरी चौरा **केवल दृष्टिबाधितों के लिए:** 30. 1. हड़प्पा, बनावली, कालीबंगन, बालाकोट, राखीगढ़ी, धौलावीरा, नागेश्वर, लोथल, मोहनजोदड़ो, चन्हुदडो, कोटदीजी (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य) (कोई तीन) **अथवा**	1+1=2

https://www.evidyarthi.in

	सारनाथ ,बोध गया, कुशीनगर ,लुम्बिनी ,श्रावस्ती (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य) (कोई तीन) 30. 2. आगरा ,लाहौर, फ़तेहपुर सीकरी ,शाशाहजहाँनाबाद (दिल्ली) (कोई दो)	

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in